के फिगर को आपके सामने रखा है। आईंदा मैं स्टडी कर के आप को लिखकर भेजूंगा। ...**(व्यवधान)**...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, what is the....*(Interruptions)* Just one minute. Now, the Minister himself...*(Interruptions)* Just one second, please. The Minister himself has said that he will come prepared; he is not prepared at the moment. So, there is no point in asking any more supplementaries on it because you wouldn't get an answer. You might ask supplementaries on other questions which the Minister might be prepared to answer.

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहिबा, मेरी गुजारिश यह है कि आप का कहना दुरुस्त है, मगर मैं यह कहना चाहता हूं कि मिनिस्टर का यह तस्लीम करना कि वह तैयार नहीं हैं, is that all right? मैं वेंकटस्वामी जी की बड़ी कद्र करता हूं, मगर ...**(व्यवधान)**...

THE DEPUTY CHAIRMAN: But that is a separate question. I will deal with it later.

SHRI SIKANDER BAKHT: The whole institution is collapsing. यह मतलब क्या हुआ?

THE DEPUTY CHAIRMAN: We will discuss it later on. *(Interruptions)*

श्री सिकन्दर बख्त: अगर मिनिस्टर साहब खुद कहें कि मैं तैयार नहीं हूं, तो क्या बात हुई?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Sikander Bakht Saheb, why do you want to use up your own time? The time of the Question Hour is of the Members, not of the Government. If you want to have more discussion on answers which are not coming, it is up to you.

पूंजीगत मदों के लिये केन्द्रीय सरकार से प्राप्त निधियां

*102. **श्री सुन्दर सिंह भंडारी:** क्या **योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान किन-किन राज्यों ने केन्द्रीय सरकार से पूंजीगत मदों के लिये प्राप्त निधियों का उपयोग आवर्ती खर्च के लिये किया है तथा इस संबंध में वर्षवार ब्यौरा क्या है;

(ख) किन-किन राज्यों द्वारा इन निधियों का उपयोग अन्य मदों के लिये किया गया तथा उन अन्य मदों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस प्रवृत्ति को रोकने के लिये क्या-क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव): (क) से (ग) सभी विशेष श्रेणी वाले राज्यों अर्थात् अरुणाचल प्रदेश, असम, हिमाचल प्रदेश, जम्मू व कश्मीर, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम एवं त्रिपुरा को अपने गैर-योजना अन्तराल को दूर करने के लिए आवर्ती व्यय सहित सामान्य केन्द्रीय सहायता के एक भाग का उपयोग करने का विकल्प दिया गया है। केन्द्रीय सरकार के पास इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि किसी अन्य राज्य ने अनधिकृत रूप से निधियों का किन्हीं अन्य मदों के लिए उपयोग किया है।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी: मैडम, विशेष श्रेणी वाले राज्यों के नाम मंत्री महोदय ने गिनाए और उसके साथ साथ यह भी कहा है कि किसी अन्य राज्य ने अनधिकृत रूप से निधियों का किन्हीं अन्य मदों के लिए उपयोग किया हो, इसकी जानकारी सरकार के पास नहीं है। मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, एक वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट छपी है, 7 नवम्बर को हिन्दुस्तान में छापा है और जिसमें उन्होंने दो तीन ऐसे राज्यों के नाम लिए हैं, जिन्होंने अपने पूंजी खाते के पैसों का अनुवर्ती खातों में उपयोग किया है। तमिलनाडु का नाम है, 90-91 में 255.9 करोड़, 92-93 में 219.7 करोड़, पश्चिम बंगाल ने 230.9 करोड़ 90-91 में, 234 करोड़ 92-93 में, केरल ने 90-91 में 161.6 करोड़ और 92-93 में 112.6 करोड़, बिहार ने 90-91 में 132.9 करोड़ और 92-93 में 99.6 करोड़। अब वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में यह बात आई है। वर्ल्ड बैंक के पास यह इंफोरमेशन अवेलेबल है, अपनी सरकार के पास अवेलेबल नहीं है और उनका यह आरोप है कि यह पैसा तनख्वाह चुकाने या अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के लिए खर्च किया गया। अब कैपिटल एक्सपेंडीचर के लिए दिया गया यह पैसा इन राज्यों में, और यह मैं नहीं समझता कि यह कम्पलीट सूची है। मैं चाहूंगा कि सरकार इस वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के आधार पर अपनी रिएक्शन दे। उन्होंने जो आंकड़े दिए हैं क्या वह सही हैं या गलत हैं या और भी राज्य हैं, जिन्होंने केपिटल एकाउण्ट को दूसरे मदों में इस्तेमाल

किया? किन मदों में इस्तेमाल किया? क्या इसका कोई एक्सप्लेनेशन उन्होंने दिया है? क्या आपके यहां इस बात की मोनेटरिंग होती है कि यह पैसा इन्होंने क्यों दिया? क्या सरकार इस मामले में आंकड़े उपस्थित करेगी? ....**(व्यवधान)**....

श्री बलराम सिंह यादव: उपसभापति महोदया, माननीय सदस्य ने वर्ल्ड बैंक की किसी रिपोर्ट का उदाहरण दिया है। मुझे उस वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट की कोई जानकारी नहीं है। ....**(व्यवधान)**.

एक माननीय सदस्य: शाबास। ....**(व्यवधान)**.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: वर्ल्ड बैंक को सब इंफोरमेशन मिनिस्टरी देती है और वही वेरीफाई करते हैं। ....**(व्यवधान)**..

उपसभापति: बोलिए। अभी बोलने तो दीजिए। पूरी बात आप सुन नहीं रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री बलराम सिंह यादव: वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट की मेरे पास कोई सूचना इस समय उपलब्ध नहीं है। अलबत्ता इतना जरूर है कि जो माननीय सदस्य ने कहा है कि वर्ल्ड बैंक की जो रिपोर्ट है उसमें फलां फलां स्टेट ने युटिलाइजेशन जो है योजनागत फंड से दूसरे गैर-योजनागत कार्यों में खर्च किया है। मैं जानकारी करूंगा और आपको अवगत कराऊंगा। अलबत्ता मुझे यहां तक जानकारी है, बिहार एक ऐसा स्टेट जरूर है, जिसकी मेरे पास इंफोरमेशन विभाग से आई है। बिहार में जरूर कुछ परिस्थितियां ऐसी थीं कि 93-94 के दौरान वहां की अर्थव्यवस्था जो है बहुत शिथिल हो गई थी, बहुत खराब हो गई थी, बहुत दयनीय हो गई थी, इसलिए विशेष परिस्थितियों में बिहार में 255.51 करोड़ रुपये जो प्लानिंग के हैं, उनकी विशेष रिक्वेस्ट के ऊपर, विशेष प्रार्थना के ऊपर इसको जरूर छूट दी गई थी।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी: इसके अलावा किसी राज्य का नहीं है? सवाल यह है। ....**(व्यवधान)**

श्री बलराम सिंह यादव: इसके अलावा मेरे पास किसी राज्य के बारे में कोई सूचना नहीं है। अलबत्ता आपने जो आंकड़े, आपने जो इंफोरमेशन चाही है, ...**(व्यवधान)**....

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him finish. ...*(Interruptions)*...

SHRI VIREN J. SHAH: Madam, how can the Members put supplementaries when the two Ministers one after another in reply to Q. Nos. 101 and 102 plead ignorance? They don't come prepared. They say that they are not aware of the World Bank report for the years 1991-92 and 1993-94 and the same are not available with them. Where is the House being taken to? Is it the intention of the Treasury Benches to ignore the Parliament? You, Madam, sitting in the Chair, are the protector of the House. So, I seek your guidance and direction on the entire House.

श्री बलराम सिंह यादव: मेरे पास जो सूचना है, मैं आपको वही बताऊंगा न। आप जो हमको प्वाइंट आउट कर रहे हैं कि वर्ल्ड बैंक की कोई रिपोर्ट है और उस रिपोर्ट में फलां-फलां स्टेट है जिन्होंने प्लान फंड का प्रॉपर युटिलाइजेशन नहीं किया है, इसकी जानकारी कराऊंगा और क्या स्थिति है मैं आपको उसके बारे में लिखित रूप से अवगत कराऊंगा।

उपसभापति: वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट ....**(व्यवधान)**....

श्री दिग्विजय सिंह: मैडम, एक सैकिंड ....**(व्यवधान)**....

उपसभापति: एक मिनट, प्लीज़। भंडारी जी का अभी सवाल है। भंडारी जी, जो आप वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का रेफरेंस दे रहे हैं, वह रिपोर्ट आपने पढ़ी है या किसी अखबार में पढ़ी है?

श्री सुन्दर सिंह भंडारी: अखबारों में पढ़ी है और इसलिए मैं कन्फरमेशन चाह रहा हूं। इसलिए मैंने कहा कि यह 7 नवम्बर की "भाषा" की रिपोर्टिंग में है। उसको एक महीना लगभग होने आया है और मुझे आश्चर्य है कि अखबार में छपने के बाद भी यहां का मंत्रालय इस संबंध में चिंतित नहीं है, जानकारी हासिल नहीं कर रहा है और अगर वर्ल्ड बैंक ने यह डिस्टॉर्टेड फिगर्स दिए हैं तब तो यह और भी चिंता की बात है, भारत सरकार को इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करनी चाहिये।

श्री बलराम सिंह यादव: उपसभापति महोदया, प्लानिंग कमीशन ने वर्ल्ड बैंक को कोई ऐसी रिपोर्ट नहीं भेजी है। अखबार में क्या निकला है, महज़ उसको सत्य मानकर ही उस पर विश्वास नहीं कर लेना चाहिये। अलबत्ता, मैंने आपको कहा है कि मैं और जानकारी प्राप्त करके इस बारे में आपको सूचित करूंगा।

THE LEADER OF OPPOSITION (SHRI SIKANDER BAKHT): Deny it. *(Interruptions)*.

THE DEPUTY CHAIRMAN: That is what he is saying. He said that his Ministry has not sent any report. If anything appears in the newspapers, let him find out whether that report is correct or not. He will come back to the House. The House is in Session and he will come back and inform us. He is not going away. ...*(Interruptions)*...

मंत्री जी, आप मालूम करके बता दीजिएगा कि आपके मंत्रालय ने ऐसी कोई रिपोर्ट भेजी है या नहीं भेजी है? इसकी क्या बेसिज़ है, जिन बेसिज़ पर अखबार में छपा है, "भाषा" में, और कोई इस तरह की रिपोर्ट वर्ल्ड बैंक ने निकाली है या नहीं निकाली है?

श्री बलराम सिंह यादव: उपसभापति महोदया, जहां तक मेरी जानकारी है, कोई रिपोर्ट प्लानिंग कमीशन ने नहीं भेजी है लेकिन फिर भी मैं उस पर जानकारी प्राप्त करके आपको सूचित करूंगा।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: वर्ल्ड बैंक वही फिगर्स देता है जो कि ...**(व्यवधान)**...

उपसभापति: वह कह रहे हैं कि नहीं भेजी है।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: और हर साल इंडियन इकॉनमी के ऊपर वह अपना मेमोरेंडम देते हैं, उसी में ये सब फिगर्स हैं।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: अरे, कहा न कि नहीं भेजी है।

उपसभापति: उन्होंने नहीं भेजी है, वे बोल रहे हैं।

SHRI INDER KUMAR GUJRAL: Madam, one minute. *(Interruptions)*.

THE DEPUTY CHAIRMAN: We are not having any discussion now. *(Interruptions)*.

SHRI INDER KUMAR GUJRAL: I had been Minister of Planning myself. The world Bank has data based on all the documents from here. It is a different thing whether it was sent to them or not. Why does not the Planning Commission take note of the fact that the World Bank came to this conclusion months back? And, what did the Government do to get in touch with the World Bank and tell them that this information was incorrect? *(Interruptions)*.

श्री बलराम सिंह यादव: मैं इसका जवाब पहले दे चुका हूं।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let us go to the next question.

श्री सुन्दर सिंह भंडारी: मैडम, मेरा दूसरा सवाल? *(Interruptions)*.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Bhandariji, it is the second supplementary.

श्री चतुरानन मिश्र: मेरा एक प्रश्न है। **(व्यवधान)**...

उपसभापति: भंडारी जी से?

श्री चतुरानन मिश्र: नहीं, गुजराल जी से।

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, you cannot. *(Interruptions)*.

श्री चतुरानन मिश्र: मेरा एक प्रश्न है गुजराल जी से। मिनिस्टर को रिपोर्ट पढ़नी चाहिये, यह वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में है?

उपसभापति: भंडारी जी, इसमें आगे पूछने से कोई फायदा नहीं है।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी: मंत्री महोदय, रिपोर्ट में इस बात का भी उल्लेख हुआ है ...**(व्यवधान)**...

श्री दिग्विजय सिंह: भंडारी जी, वे रिपोर्ट के लिए डिनाई कर रहे हैं, आप काहे को पूछ रहे हैं?

श्री सुन्दर सिंह भंडारी: कम से कम जब रिपोर्ट को चैक करेंगे तो यह प्वाइंट भी तो चैक कर लेंगे, जवाब पूरा आ जाएगा नहीं तो अधूरा ही जवाब रहेगा। इस रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख है कि राज्य के नए कार्यक्रमों को पहले पांच वर्ष के संचालन के लिए 30 प्रतिशत अनुदान दिया जाता था, अब वह क्या बढ़ा दिया गया है? अगर बढ़ा दिया गया है तो कितना बढ़ाया गया है? इसकी जानकारी है आपके पास या आप इसको भी इकट्ठा करके देंगे?

श्री बलराम सिंह यादव: ऐसा है, जैसा मैंने आपको बताया है कि प्लान फंड को नॉन प्लान फंड में यूज़ करने के लिए जो विशेष श्रेणी के राज्य हैं, उन्हीं को यह छूट है, बाकी राज्यों को यह छूट नहीं है।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question No. 103.

**103[The Questioner (Shri Anantray Devshanker Dave) was absent for answer vide col 30—31 infra.]*